केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - १

रविवार, ७ जुलाई, २०१९ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (४)	
	३ (४)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (६)	
	विभाग-१, कुल गुण (३३)	

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (४)	
	१२ (४)	
	विभाग-२, कुल गुण (३२)	

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	विभाग-३, कुल गुण	
	१३ (१०)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम	प्र - २ गुण - ४		नाम	प्र - ३ गुण - ४		नाम

विभाग - १ : सहजानंद चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''आप यदी प्रत्यक्ष रूप में सामने बैठें तो मूर्ति के सारे अंग एवं आकृति आपके समान रची जा सकती है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

..... गुण : ३ ☐

२. ''आपने दिया तो सही, परंतु ऐसा दिया कि किसी के काम तक नहीं आये।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

..... गुण : ३ ☐

३. ''मैं तुम्हें रामानंद स्वामी का दर्शन कराऊँगा।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

..... गुण : ३ ☐

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. वासुदेवनारायण की प्रतिष्ठा गुण : २ ☐

(१) ☐ शिवराम भट्ट ने विधिविधान करवाया। (२) ☐ नरनारायण देव नाम दिया।

(३) ☐ फाल्गुन कृष्णा द्वितीया के दिन मूर्तिप्रतिष्ठा की। (४) ☐ मैं आप लोगों से कभी अलग नहीं होउँगा।

२. पवित्र वाणी का नियम गुण : २ ☐

(१) ☐ मुँह में पूँछ के साथ गधी रख ली! (२) ☐ रूद्राक्ष की माला मंगवाई।

(३) ☐ प्रायश्चित्त में इक्यावन माला फेरना। (४) ☐ साक्षात् ब्रह्माजी थे।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। (कुल गुण : ४)

१. ..... को ..... की गद्दी खाली मिली। गुण : १ ☐

२. संवत् ..... में ..... के दिन शिक्षापत्री की पूर्णाहुति हुई। गुण : १ ☐

३. ..... का भाईओं के साथ मिलन ..... गाँव में हुआ। गुण : १ ☐

४. ..... ने जूनागढ़ में अपने जैसे फकीर ..... स्वामी को रखा। गुण : १ ☐

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ४ गुण - ५		नाम

प्र. ४ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. बच्चे को प्रसन्न किया २. प्रतिज्ञा लिखाई ३. भट्टजी की उलझन मिटाई

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम	प्र - ६ गुण - ६		नाम

प्र. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. श्रीहरि ने परमहंसों को कबूतर कहकर किसका दृष्टांत दिया? गुण : १

.....

२. शोभाराम की आँखें कितने दिन में गई? गुण : १

.....

३. कारियाणी में श्रीहरि ने संतों-हरिभक्तों को कौन-से कार्य में लगा दिया? गुण : १

.....

४. हिंसक परंपरा की खबर मिलते ही श्रीहरि क्यों कांपने लगे? गुण : १

.....

५. कच्छ के हरिभक्तों ने श्रीहरि को क्या विश्वास दिलाया? गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. श्रीहरि ने बड़ौदा के शोभाराम शास्त्री और राजकारोबारी चीमनरावजी जनार्दन के पर पत्र लिखा।

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. मगनीराम ने विवाह करने के लिए मना कर दी।

.....

.....

.....

..... गुण : २

३. वैरागी रघुनाथदास पर टूट पड़े।

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ९		नाम	प्र - ८ गुण - ६		नाम

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - २

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''मुझे तो आपकी मरज़ी के अनुसार ही चलना है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... | गुण : ३ |

२. ''अरे ! यह पलंग क्यों हिल रहा है?''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... | गुण : ३ |

३. ''यह मेरा पुत्र है, मैं इसे ले जा रहा हूँ।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... | गुण : ३ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.८ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। (कुल गुण : ६)

विषय : अयोध्याप्रसादजी महाराज की संतों-भक्तों के प्रति आत्मीयता

१. हरकोई अपने स्वभाव के अनुसार क्रिया करते हैं। **२.** संवत् १८८९, भादों शुक्लपक्ष १०, सोमवार। **३.** संत की प्रसादी में स्वाद नहीं देखा जाता। **४.** वे सभी मिलकर उस हरिभक्त का ध्यान रखें। **५.** साप छिपने के प्रयास में एक कोने पर भाग रहा था। **६.** भगवान श्री स्वामिनारायण का निरन्तर स्मरण करना चाहिए। **७.** मेरे नाम से जो भी अन्न आया होगा, उस अन्न का मैं हिसाब दूँगा। **८.** स्वयं पूज्य होते हुए भी उन्होंने गद्दी की इच्छा न की। **९.** अभी देशकाल की परिस्थिति कठिन है। **१०.** माता-पिता के नाम से अन्न माँगकर उस हरिभक्त की सहायता करें। **११.** संवत् १८७९, भादों शुक्लपक्ष १०, मंगलवार। **१२.** उनके पास हरिभक्त चाहे बड़ा हो या छोटा, जो भी जाता उसके साथ समान व्यवहार करते थे।

(१) केवल सही क्रमांक | | | | | | | गुण : ३ |

(२) यथार्थ घटनाक्रम | | | | | | | गुण : ३ |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – ९ गुण – ५		नाम

प्र. ९ 'महिलाओं की सभा में भक्तिमाता का दर्शन' – **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए। (वर्णनात्मक)**
(कुल गुण : ५)

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ४		नाम	प्र - ११ गुण - ४		नाम

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ४)

१. हरिदिग्विजय ग्रंथ की रचना किस ने की? | गुण : १ |

.....

२. जागा भक्त कहाँ और कब अक्षरधाम को प्रस्थान कर गए? (संवत्, मास, तिथि) | गुण : १ |

.....

३. मूलजीभाई को किसने और कहाँ दीक्षा प्रदान की? | गुण : १ |

.....

४. बहनों की बात सुनकर श्रीहरि प्रसन्न होकर क्या बोले? | गुण : १ |

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित वाक्य में से गलत शब्द को सुधारकर विषय के अनुलक्ष्य में सही वाक्य लिखिए। (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. भक्तराज दादाखाचर : एकबार डभाण गाँव के हीराभाई वरताल आए हुए थे। श्रीहरि को डभाण पधारने का निमंत्रण देते हुए उन्होंने कहा, 'आप तो पगी के साथ ही बंध गए हैं; फिर दूसरे घर क्यों आएँगे?'

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

२. स्वामी जागा भक्त : संवत् १९२० की वर्षाऋतु में आचार्यश्री अयोध्याप्रसादजी महाराज गढ़डा पधारे। माणावदर के चरागाह में मंदिर के घास के ९० हज़ार पूले पड़े हुए थे।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

३. मुकुन्दानन्द वर्णी (मूलजी ब्रह्मचारी) : उसके पश्चात् वह पार्षद साधु को साथ लेकर स्वामी के पास जा पहुँचे। स्वामी को कहते हुए उसने कहा, 'प्रभु ! इतने निर्दयी क्यों हो गए?'

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

४. मुक्तराज कृष्णजी अदा : सभी लोग उन्हें 'हरजीवन अदा' के प्रिय नाम से पहचानते और बुलाते थे। उन्हीं दिनों आचार्य महाराज बड़ौदा में रंगाचार्य शास्त्री से उपनिषद का अध्ययन कर रहे थे।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम

प्र. १२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. गोपीनाथजी मूर्ति में से प्रकट होकर प्रेमानंद स्वामी को हार प्रदान करते थे।

.....

.....

.....

..... गुण : २ |

२. अयोध्याप्रसादजी महाराज ने १३ दिन के बाद अन्न ग्रहण किया।

.....

.....

.....

..... गुण : २ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ | | ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

१. स्वामी की बातें : रसोई करने के बाद न खाये तो?
२. वचनामृत द्विशताब्दी महोत्सव उद्‌घोष समारोह
३. अमर वारसा गुणातीत का : भक्तवत्सलता

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - १०		नाम

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें